मानव और मशीन

(MAN AND MACHINE)

प्रथम खण्ड

ले० लाल कृष्ण अग्रवाल

—"मानव और मशीन में भेद केवल इतना ही है कि, मानव चैतन्य है और मशीन जड़। मानव के स्थूल शरीर यन्त्र में सुख दुःख का अनुभव करने वाली आत्मा का निवास है, जब कि मशीन इससे शून्य व चेतना रहित है।"

—लेखक